

.....नियत की गई।

19³/₂₄

पत्रावली पेश हुई। प्राप्ति के बकील उपर
मूल वाद का प्राप्ति ने मोह-प्रेत
खाफि कला लिपि है जिस रश्त
यह पत्रावली में आगे कार्यवाही किया
जाना अचिर नहीं है। अतः पत्रावली
इसी तरह पर मोहप्रेत में खाफि
जाती है। पत्रावली जॉर्नल पुंभार होकर
नम्बर से कम है। वाद प्राप्ति होकर मूल
वाद के साथ संलग्न रहे।

सहायक कलक्टर
बहरोड़

~~Not Press
Chil
Mtd~~